ओम शान्ति शिवबाबा याद हैं?

Hindi Murli Quiz 03-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) अपने ---------- स्वरूप द्वारा आने वाले विघ्नो को पार करने वाले तीव्र पुरुषार्थी भव|
(आज के वरदान के अनुसार रिक्त स्थान भरें)

A. डबल लाइट
B. निराकारी
C. ज्वालामुखी

Q.2) पास विद ऑनर्स की माला जो बनी हुई है वाह कितने दानों की है?
(केवल नंबर लिखें जैसे अगर उत्तर पांच हज़ार है तो लिखें - 5000)

- 8
- ८

Q.3) आज की मुरली के लिये मुख्य सार क्या है?(उत्तर एक से अधिक भी हो सकते हैं)

A. स्वदर्शन चक्रधारी बनकर रहना है |
B. सदा खुश रहना और खुशी बाँटना-यही सबसे बड़ी शान है ।
C. हीरे जैसा बनाने की सेवा करनी है |
D. सच्ची कमाई करनी और करानी है |
E. कुसंग से अपनी सम्भाल करनी है |

Explanation : सदा खुश रहना और खुशी बाँटना-यही सबसे बड़ी शान है । यह आज का स्लोगन है |

Q.4) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice	Match
A	बाप द्वारा सेवा	बच्चों को हीरे जैसा बनाना
B	बाप का हुक्म	उधार नहीं लेना
C	पास विद ऑनर	श्रीमत पर चलते रहो
D	आज का गीत	इस पाप की दुनिया से ....

Q.5) नौधा भक्ति करने से साक्षात्कार होता है । मतलब मुक्त हो जाते हैं |

A. True
B. False

Q.6) आज बाबा ने कहा - यह सब बातें नोट करनी और करानी है । इनमें से क्या नोट करना और कराना है ?
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के हिसाब से सबसे सटीक एक उत्तर चुनें)

A. औरों को भी आप समान हीरे जैसा बनाना पड़े । जितना पुरूषार्थ करेंगे, उतना ऊंच पद

पायेंगे ।

B. गीत में भी सुना ना, कहते है साथ ले जाओ । तुम इन बातो को आगे नही समझते थे, अब बाप ने समझाया है तब समझते हो ।

C. सतयुग में शरीर छोडेंगे, समझेंगे एक छोड़ दूसरा नया लेगे । यहाँ तो देह- अभिमान कितना रहता है । फर्क है ना ।

D. सन्यासी फिर ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी बन जाते है । बस, ब्रह्म मे लीन होना है । अब ब्रह्म तो परमात्मा नही है ।

Q.7) आज की मुरली के अनुसार इनमें से कितने वाक्य सही हैं ? केवल नंबर लिखें जैसे अगर तीन वाक्य ही सही हैं तो लिखें - 3)

1. तुम सब ब्राह्मण-ब्राह्मणियाँ रूहानी सर्विस कर रहे हो । किसने सिखाया है? दूर ले चलने वाले बाप ने । कितनों को ले जायेगे दूर? तुम सब ब्राह्मणों को |

2.तुम कोई से उधार लो तो फिर 63 जन्म के लिए भरकर देना पड़े ।

3.भारतवासी जानते है भारत पुण्य आत्माओ की दुनिया थी, पाप का नाम नही था ।

4.योग से ही हेल्थ और वेल्थ मिलेगी |

- 1
- १

Explanation : योग से हेल्थ और 84 के चक्र को जानने से वेल्थ मिलेगी | तुम कोई से उधार लो तो फिर 21 जन्म के लिए भरकर देना पड़े । कितनों को ले जायेगे दूर? अनगिनत हैं |

Q.8) माया घूसा लगा देती है अर्थात् -(आज की मुरली अनुसार सबसे सटीक एक ही उत्तर चुनें)

A. माया देह अभिमान में ले आती है |

B. माया उल्टा काम करा देती है |

C. माया बुद्धियोग तोड़ देती है ।

D. माया विकार में गिरा देती है |

E. माया नॉलेज को भी भुला देती है |

Explanation : तो अब हम आत्माओं को एक बाप को ही याद करना है, परन्तु माया घड़ी- घड़ी भुला देती है, घूसा लगता है । माया बुद्धियोग तोड़ देती है ।

Q.9) Match the following

	Choice	Match
A	दूर जाना	मनमनाभव
B	बहुत बच्चे बोलते हैं-बाबा, फलानी जगह सेंटर खोलूं	दाता
C	साक्षी होकर देखना	अच्छा पुरुषार्थ
D	चलते-चलते	ग्रहचारी
E	वर्षा	रिफ्रेश
F	ग्लानि	बना-बनाया अनादि ड्रामा
G	नौधा	याद

Explanation : यहाँ फिर है नौधा याद । शास्त्रो मे तो कितनी बाते लिख दी हैं । बाप कहते है यह फिर भी होगा, ड्रामा मे जो नूध है । हम किसकी ग्लानि नही करते हैं, यह तो बना-बनाया अनादि ड्रामा है । फिर जाकर वर्षा कर दूसरो को रिफ्रेश करेगे । हाँ, चलते-चलते कभी ग्रहचारी भी आ जाती है । कभी बहुत खुशी मे रहेगे, कभी कम । यह बना-बनाया अनादि ड्रामा है, जिसको साक्षी होकर देखते है कि कौन अच्छा पुरूषार्थ करते है? बाबा, फलानी जगह सेसर खोलू? बाप कहते हैं मैं तो दाता हूँ । तुम बच्चे हर एक को दूर ले जाने की युक्ति बतलाते हो-मनमनाभव |

Q.10) आज मुरली में बाबा ने कौन-कौन सी बातें बच्चों को पक्की कराईं | उत्तर एक से अधिक भी

हो सकते हैं |

A. ☑ मेरे बच्चे कभी भूखे नहीं रहेंगे |

B. ☑ जो तुम करते हो , तुम्हारे ही काम आता है |

C. ☑ बाबा को हम बच्चों से कुछ नहीं चाहिए |

D. ☐ मैं तुम्हें पलकों पर बिठा कर ले जाऊँगा |

Explanation : बाप कहते हैं मैं तो दाता हूँ । हमको कुछ दरकार नहीं । यह मकान आदि भी तुम बच्चों के लिए बनाते हैं ना । क्यों न बाप से बेहद का वर्सा लेवें । खाना तो मिलना ही है । यह मकान आदि भी तुम बच्चों के लिए बनाते हैं ना । शिवबाबा तो तुमको हीरे जैसा बनाने आये हैं । तुम जो कुछ करते हो वह तुम्हारे ही काम मे आता है । बाबा ने आज की मुरली में आखरी पॉइंट नहीं कहा |